

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपलण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार संप्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

नहैं विरुली, बुधवार, जमधरी 12, 1977/पौष 22, 1898

No. 12]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JANUARY 12, 1977/PAUSA 22, 1898

इस भाग में भिम्म पुष्ठ संख्या वृी जाती हैं जिससे कि यह असग संकलन के रूप में रखा का सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

NOTIFICATION

INCOME-TAX

New Delhi, the 12th January 1977

SO 18(E).—The following draft of certain rules further to amend the Incometax Rules, 1962, which the Central Board of Direct Taxes proposes to make in exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 44AA, read with section 295, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), is hereby published for the information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the 1st day of March, 1977

2 Any objection or suggestion which may be received from any person with reference to the said draft before the said date will be considered by the Central Board of Direct Taxes

DRAFT RULES

- 1 These rules may be called the Income-tax (Amendment) Rule, 1977
- 2. In Part II of the Income-tax Rules, 1962, after dule 6E and before Sub-Part D, the following Sub-Part shall be inserted, namely "CC Books of account

- F Books of account and other documents to be kept and maintained under section 44AA(3) by persons carrying on certain professions.—(1) Every person carrying on legal, medical, engineering or architectural profession or the profession of accountancy or technical consultancy or interior decoration or authorised representative or film artist shall keep and maintain the books of account and other documents specified in sub-rule (2).
- (2) The books of account and other documents referred to in sub-rule (1) shall be the following, namely:—
 - (i) a daily cash book;
 - (ii) a journal if the accounts are maintained according to the mercantile system of accounting;
 - (iii) a ledger;
 - (iv) duplicate copies of machine-numbered bills and receipts issued by the person;
 - (v) original bills and receipts in respect of expenditure incurred by the person or, where such bills and receipts are not issued and the expenditure incurred does not exceed twenty-five rupees, payment youthers prepared and signed by the person

Explanation.—In this rule,—

- (a) "authorised representative" means a person who represents any other person, on payment of any fee or remuneration, before any tribunal or authority constituted or appointed by or under any law for the time being in force, but does not include an employee of the person so represented or a person carrying on legal profession or a person carrying on the profession of accountancy;
- (b) "daily cash book" means a record of all cash receipts and payments, kept and maintained from day to day, and giving the cash balance in hand at the end of each day;
- (c) "film artist" means any person engaged in his professional capacity in the production of a cinematograph film, whether produced by him or by any other person, as—
 - (i) an actor;
 - (ii) a cameraman;
 - (ili) a director, including an assistant director;
 - (iv) a music director, including an assistant music director;
 - (v) an art director, including an assistant art director;
 - (vi) a dance director, including an assistant dance director;
 - (vii) an editor;
- (vní) a singer,
- (ix) a lyricist;
- (x) a story writer;
- (xi) a screen-play writer;
- (xii) a dialogue writer; and
- (xiii) a dress designer.
- (3) A person carrying on medical profession shall, in addition to the books of account and other documents specified in sub-rule (2), keep and maintain the following, namely:—
 - (i) a daily case register in Form No 3C;
 - (ii) an inventory, as on the first and the last day of the previous year, of the stock of drugs, medicines and other consumable accessories used for the purpose of his profession.
- (4) The books of account and other documents specified in sub-rule (2) and sub-rule (3) shall be kept and maintained by the person at the place where he is carrying on the profession or, where the profession is carried on in more places than one, at the principal place of his profession:

Provided that where the person keeps and maintains separate books of account in respect of each place where the profession is carried on, such books of account and other documents may be kept and maintained at the respective places at which the profession is carried on.".

3. In Appendix II to the Income-tax Rules, 1962, after Form No 3B, the following Form shall be inserted, namely:—

"FORM NO. 3C

[Sec rule 6F(3]

Form of Daily Case Register

(To be in intained by practitioners of any system of medicine, i.e., pl ysicians, surgeous, dentists, pathologists, radiologists, yaids, hakims, etc.)

Date	S. No.	Patient's name	Nature of professional services rendered,	Fees or charges for services rendered	
			i e., general consul- tation, surgery, in- zi jection, visit, etc.	By cash Rs.	By cheque Rs.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)

[No. 1620/F._No. 133(102)/76-TPL] S. N. SHENDE,

Central Board of Direct Taxes.

केन्द्रीय प्रस्थक-कर बोर्ड

भ्रधिसूचा

वाय-कर

नहीं दिल्नी, 12 जनवरी, 1977

का शा 18 (म) — हेन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ग्राय-कर ग्रंधिन-म 1961 (1961 का 43) की धारा 295 के साथ पिठा धारा 44 हर की उत्प्रारा (3) ग्रारा प्रदत्त भिक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्राय-कर निम्म, 1962 में कित्रम ग्रीर संगोधन करता चाहता है। संगोधनों का फिनलिखन प्रारूप उन सभी व्यक्तिमों की जान हारी है लिए जिनहें उनसे प्रभावित होने की सम्भावना है, प्रहाशित किया जा रहा है ग्रीर सूननादी जाती है कि उन्त प्रारूप पर 1 मार्च, 1977 को या उसह प्रकात विवार किया जाएगा।

2. उक्त प्रारूप के संदर्भ में किसी भी व्यक्ति से उक्त तारीख के पूर्व जो ब्रार्क्षप या सुझाव प्राप्त होंगे, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड उन पर विचार करेगा।

नियमों का प्रारूप

- 1. इन नियमो का नाम ग्रायकर (संगोधन) नियम, 1977 🕴 ।
- 2 ग्राय-कर नियम, 1962 के भाग 2 मे, नियम 60 के पश्चात् ग्रीर उपभाग व के पूर्व निम्निलिखन उपभाग ग्रन्थ-स्थापित किया जाएगा, ग्रयौत :—

''गग. लेखा पुस्तकें

- हच बारा 44 (3) के अर्तभत उन व्यक्तियो द्वारा, की कतिया वृतियां अपनाए हुए ह, रखी अ.ने तथा बन ई रखे जाने वाली लेखा पुस्तकों और ग्रन्थ दस्तावेज—
 - (1) विश्विक, चिकित्सकीय, इजीनियरी या वस्तु कलात्मक वृत्ति अथवा लगा कार्यं या तकनीकी परामर्गं कार्यं या अन्तर सज्जा कार्यं मंबंधी वृत्तियां, प्राधिकृत प्रतिनिधि या फिल्मी कलाकार की वृत्ति प्रपनाने वाला प्रत्येक व्यक्ति उपनियम (2) मे विनिविष्ट लेबा-पुस्तके तथा श्रन्य दस्ताधेज रखेगा और बनाए रखेगा।
 - (2) उप-नियम (1) में निर्दिष्ट लेखा पुस्तके और अन्य वस्तावेज निम्नलिखित होंगें, अयीत् :---
 - (i) दैनिक रोकड बही;
 - (ii) यदि हिसाब, लेखा विधि की ज्यापारिक प्रणाली क अनुसार रखा जाता है तो एक न हलवही (जनरल);
 - (iii) एक खाताबही (लैजर) ;
 - (iv) व्यक्ति द्वारा दिए गए मशीन संख्याक्ति बिलों और रसीदों की दूसरी प्रतिया,
 - (ए) व्यक्ति द्वारा उपगत व्यय के सर्व घ मे मूल बिल और रसीदे, या जहा ऐसे बिल भौर रमीदें नहीं वी जाती हैं तथा उपगत व्यय पर्चीस रुपए से प्रधिक का नहीं है वहा व्यक्ति द्वारा तैयार किए गए और हस्ताक्षर किए गए संदाय वाजवर ।

स्वव्होकरण.--इस नियम में ,---

- (क) ''प्राधिकृत प्रतिनिधि'' से यह व्यक्ति प्रभिष्ठेत है जो फीस या पारिश्रमिक दिए जाने पर, किसी श्रीधकरण अयवा तत्समय प्रवृत्त किसी विधि द्वारा अयवा उस ने श्रीन गठिन या तियुक्त किए गए प्राधिकारी के समक्ष किसी श्रन्य व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करता है, किन्तु इसमे इस प्रकार जिस व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करता है उसका कर्मचारी या विधिक कार्य वृत्ति कर रहा श्रयवा लेखाकार्य वृत्ति कर रहा कोई व्यक्ति नहीं श्राता ;
- (ख) ''दैनिक रोकड़ बही'' से सभी नगती प्राप्तियों श्रीर संदायों का वह श्रीश्वलेख श्रीभित्रेत है जो दिन-प्रति-दिन रखा श्रीर बनाए रखा जाता है तथा जिससे प्रत्येक दिन के श्रन्त में नगदी हाथ रोकड़ प्रकट होती है।

- (ग) "फिल्मी कलाकार" से सिनेमा फिल्मों के निर्माण में, जिसका निर्माण चाहै वह स्थयं कर रहा हो अथवा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा किया जा रहा हो, निम्निलिखित की हैिमियत से अपनी वृत्ति के रूप में अपनाने वाला कोई व्यक्ति अभिन्नेत है, अर्थात्
 - (i) कलाकार ;
 - (ii) कैमरामैन ,
 - (iii) निदेशक, जिसमें सहायक निदेशक भी आता है ;
 - (iv) सगीत निदेशक, जिसमे सहायक संगीत निदेशक भी आत। है;
 - (प) कला निदेशक, जिसमें सहायक कला निदेशक भी आता है ,
 - (♥i) नृत्य निदेशक, जिसमें सहायक नृत्य निदेशक भी घाता है ;
 - (vii) सम्पादक (एडीटर) ;
 - (viii) गायक ;
 - (ix) गीतकार,
 - (x) कथा सेखक ;
 - (xi) मंच कथा लेखक ;
 - (xii) सवाद लेखक, तथा
 - (xiii) इसे कि जाइनकर्सा
- (3) चिकित्ता वृत्ति अपनाने वाला व्यक्ति उप-नियम (2) में निर्दिष्ट लेखा पुस्तकों और श्रम्य दस्तावेओं के श्रतिरिक्त, निम्नलिखित भी रखेगा श्रीर बनाए रखेगा, श्रथित :---
- (i) प्रकप 3ग मे एक दैनिक रोगी रजिस्टर,
- (ii) पूर्व वर्ष के प्रथम तथा भ्रन्तिम धिन विश्वमान दवाइयों श्रौधिभ्रियों तथा भ्रन्य उपयोज्य उपसाधनों के स्टाक की तालिका जो उसने भ्रपने व्यवताय के भ्रयोजन के के लिए उपयोग मे की हों।
- (4) उप-नियम (2) श्रीर उप-निथम (3) मे विनिर्दिष्ट लेखा पुस्तके श्रीर अन्य दस्ता-क्षेत्र क्यक्ति द्वारा उस स्थान पर रखे श्रीर बनाए रखे जायेंगे जहा वह वृत्ति ... श्रपनाए हुए है अथवा यदि वृत्ति एक से श्रधिक स्थानों पर श्रपनाई जा रही है ते वित्ति के श्रधान स्थान पर रखे श्रीर बनाए रखे जायेंगे,

परन्तु जहा व्यक्ति ऐसे प्रत्येक स्थान के सबध मे, जहां वृति प्रपनाई जा रं है, पृथक लेखा पुस्तके रखता है भीर बनाए रखना है वहा ऐनी लेबा पुस्तकें भीर भं इस्ताबेज ऐसे संबंधित स्थानों पर, जहां वृत्ति अपनाई जा रही है, रखे भीर न ... रखे जायेंके।"। 3. भाय-कर नियम, 1962 के उपाबरध 2 में, प्ररूप सं० उस के पश्चात् निम्नलिखित प्ररूप ग्रन्त:स्थापित किया जाएगा, ग्रंबीत :---

''प्रक्य सं० ३ग

[नियम ६व (3) देखिए]

वैनिक रोगी-र्रिलस्टर का प्रकृप

(किसी भी प्रकार की चिकित्सा पद्धति वाल चिकित्सा व्यवसायियों, प्रश्रीत्, चिकित्सक, शत्य चिकित्सक, वन्त शत्य चिकित्सक, रोगविज्ञानी विकीणं चिकित्सक, वैद्य, हकीम, भाविद्वारा रखा आएगा)।

ता रीख	कम सं०	रोगी का नाम	की ग ई वृ त्तिक सेवा की प्रकृति, प्रया त् सामान्य परामर्ग, शस्य-चिकित्सा इंजैक्श म लगामा, देखने जामा ग्रादि ।	्ली गई फीस मा , प्रभार		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	

[सं॰ 1620/का॰ सं॰ 133(102)/76-दी॰ पी॰ एल॰] युप॰ एतः गेंबे, सम्बन, केन्द्रीय प्रस्यक्ष कर बोर्ड ।